



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 776]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 9, 2004/भाद्र 18, 1926

No. 776]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 9, 2004/BHADRA 18, 1926

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 2 सितम्बर, 2004

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ( जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति  
अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया ) ( दूसरा संशोधन ) विनियम, 2004

का.आ. 997(अ).— बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992  
(1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय  
प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने  
के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम  
बनाता है, अर्थात् :-

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच  
करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (दूसरा संशोधन) विनियम,  
2004 कहा जा सकेगा ।
2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति  
अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 (इसमें इसके पश्चात् "उक्त  
विनियमों" के रूप में निर्दिष्ट) में :

(क) विनियम 15 में, खंड (ग) के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"(गक) ऐसा मध्यवर्ती, उप-दलाल होते हुए उप-दलाल नहीं रह जाता है स्टॉक दलाल जिसके पास यह सहबद्ध है व्यतिक्रमी के रूप में घोषित हो जाने के अथवा स्टॉक दलाल के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के निलंबन या रद्दकरण हो जाने के कारण स्टॉक दलाल न रह जाने के परिणामस्वरूप । "

(ख) विनियम 16 में,

(i) उप-विनियम (1) के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्-

"16(1) अध्यक्ष या सदस्य बोर्ड के अधिकारी को नियुक्त कर सकेगा, जो सहायक महाप्रबंधक या सहायक विधि सलाहकार की पंक्ति से नीचे का न हो विनियम 15 में विनिर्दिष्ट किसी मामले की बाबत संक्षिप्त प्रक्रिया का अनुसरण करने के पश्चात् उसकी सिफारिश देने के लिए :

परंतु यह कि विनियम 15 के अधीन विनिर्दिष्ट किसी मामले के बाबत, यदि अभ्यावेदन मध्यवर्ती से विनियम 16 में अधिकथित प्रक्रिया से अभिमुक्ति देने के लिए प्राप्त होता है, अध्यक्ष या सदस्य इस उप-विनियम के अधीन बोर्ड के अधिकारी को नियुक्त नहीं कर सकेगा और मध्यवर्ती के अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् समुचित आदेश पारित कर सकेगा :

परंतु यह और कि जहाँ बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के अभ्यर्पण को स्वीकार न करने के युक्तियुक्त आधार हों, यह आदेश पारित किये जाने के पूर्व विनियम 16 में यथा अधिकथित प्रक्रिया का अनुसरण करेगा।"

(ii) उप-विनियम (5) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम (6) अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

- "(6) अध्यक्ष या सदस्य कई मध्यवर्तियों की बाबत सामान्य आदेश पारित कर सकेगा जहाँ प्रश्नगत विषयवस्तु सारभूत रूप से उसी या वैसे ही स्वरूप की है।"

[ फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/19536/2004 ]

ज्ञानेन्द्र नाथ बाजपेयी, अध्यक्ष

#### पाद टिप्पण :-

- (1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, का.आ. सं. 1045 (अ), 27.9.2002 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित हुए थे।
- (2) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 तत्पश्चात् -
  - (क) 27 नवंबर 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (संशोधन) विनियम, 2003 द्वारा, फा.सं. भाप्रविबो/विधि/डीओपी/22093/2003 द्वारा
  - (ख) 30 दिसंबर 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2003 द्वारा, फा.सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/24418/2003 द्वारा
  - (ग) 13 जुलाई 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (संशोधन) विनियम, 2004 द्वारा, फा.सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/14982/2004 द्वारा

संशोधित हुए थे।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA  
NOTIFICATION**

Mumbai, the 2nd September, 2004

**Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Second Amendment) Regulations, 2004**

S.O. 997(E).—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002, namely :-

1. These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Second Amendment) Regulations, 2004.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 (hereinafter referred to as 'the said Regulations');
  - (a) In regulation 15, after clause (c), the following shall be inserted, namely-

“(ca) such intermediary, being a sub broker ceases to be a sub broker consequent upon the stock broker with whom it is affiliated ceasing to be a stock broker due to declaration as defaulter or suspension or cancellation of certificate of registration of the stock broker.”

(b) In regulation 16,

(i) for sub regulation (1) the following shall be substituted, namely –

“16(1) The Chairman or member may appoint an officer of the Board, not below the rank of Assistant General Manager or Assistant Legal Advisor for giving his recommendation after following the summary procedure in respect of any matter specified in regulation 15:

Provided that in respect of any matter specified under regulation 15, if a representation is received from an intermediary to dispense with the procedure laid down in regulation 16, the Chairman or the member may not appoint an officer of the Board under this sub-regulation and pass an appropriate order after considering the representation of the intermediary:

Provided further that where the Board has reasonable grounds not to accept the surrender of certificate of registration, it shall follow the procedure as laid down in regulation 16 before passing the order.”

(ii) after sub regulation (5), the following sub regulation (6) shall be inserted, namely-

“(6) the Chairman or the member may pass a common order in respect of a number of intermediaries where the subject matter in question is substantially the same or similar in nature.”

[F. No. SEBI/LAD/DOP/19536/2004]

G. N. BAJPAI, Chairman

---

**Foot Notes :-**

(1) Securities and Exchange Board of India(Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002, were notified in the Gazette of India on 27.9.2002 vide S.O. No. 1045(E).

(2) The Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 were subsequently amended –

- (a) On November 27, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Amendment) Regulations, 2003 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/22093/2003).
- (b) On December 30, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Second Amendment) Regulations, 2003 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/24418/2003.
- (c) On July 13, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Amendment) Regulations, 2004 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/ 14982/2004.